सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 153 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 10 जुलाई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

उस काम को, जिसे तुम दुसरे व्यक्ति में बुरा समझते हो, स्वयं त्याग दो परंतु दूसरों पर दोष मत लगाओ।
–स्वामी रामतीर्थ

कप्तान हरमन प्रीत का कमाल... 7 | फिर याद आए... वो जिन्हें छोड़ दिया... 3 | कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ा... 2

दिल्ली में भारी बारिश पर मचा सियासी कोहराम

» विपक्ष ने आप सरकार को घेरा
» भाजपा बोली-खुली भ्रष्टाचार की पोल
» कांग्रेस का तंज-केजरीवाल की विकास की लहरें सड़क पर बहीं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत पूरे देश में मानसूनी बारिश का कहर जारी है। बारिश के बाद से जगह-जगह जलभराव, सड़कें धंसने की खबरें भी आ रही हैं। इन सबको लेकर राजनीतिक पार्टियों में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। विपक्षी राजनीतिक पार्टियों को संबधित राज्य सरकार को घेरने का खूब मौका दिया है।

चूकि सबसे ज्यादा बारिश दिल्ली में हो रही है तो वहां पर सोशल मीडिया पर भी विभिन्न इलाकों में जगह-जगह जलभराव को लेकर कांग्रेस और भाजपा ने आप सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दोनों दलों ने जलभराव के वीडियो और फोटो भेजकर आम लोगों ने भी सरकारी तंत्र को कटघरे में खड़ा किया है।

प्रधानमंत्री व गृहमंत्री ने लिया जायजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश से बिगड़े हालात का जायजा लिया है। उन्होंने इस बारे में वरिष्ठ मंत्रियों, अधिकारियों से बात की है। पीएमओ ने इस बारे में जानकारी दी है। पीएमओ ने यह भी बताया कि अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को भारी बारिश के कारण बिगड़े हालात के बारे में जानकारी दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपालों के संपर्क में हैं। उन्होंने पंजाब और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से भी संपर्क किया है।

केजरीवाल सरकार का चेहरा बेनकाब : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि पहली बारिश ने ही सरकार को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया है। सामान्य जनजीवन ठप हो गया है। भ्रष्ट एमसीडी, दिल्ली जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग और बाढ़ विभाग में से किसी ने भी नालों की सफाई नहीं की। सभी 4 विभागों ने न केवल दिल्ली वासियों को निराश किया है, बल्कि नालों की सफाई के नाम पर सैकड़ों करोड़ रुपये की हेराफेरी भी की है। इस घोटाले में मेयर, पीडब्ल्यूडी मंत्री और डीजेबी मंत्री सहित मुख्यमंत्री की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए।

कांग्रेस कार्यकर्ता पीड़ितों की मदद करें : राहुल गांधी

इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में भारी बारिश, भूस्खलन के कारण जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि वे लोगों की मौत से दुखी हैं। उन्होंने जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से प्रभावित इलाकों में राहत कार्य और लोगों की मदद करने की अपील की है। पूर्व पार्टी प्रमुख ने कहा कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वे राहत कार्यों में अधिकारियों की मदद करें। हम सभी को मिलकर इस प्राकृतिक आपदा की कठिन चुनौतियों का सामना करना होगा।

किसी पर आरोप लगाने का वक्त नहीं : केजरीवाल

लगातार भारी बारिश के कारण शहर की स्थिति के मद्देनजर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज दोपहर सचिवालय में बैठक बुलाई। बैठक में मंत्री सौरभ भारद्वाज, आतिशी और संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक में यमुना नदी के स्तर में बढ़ोतरी पर भी चर्चा हुई। बैठक के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में बारिश का कई वर्षो का रिकॉर्ड टूटा है। हिमाचल, पंजाब, हरियाणा से लगातार खबर आ रही हैं। इस समय किसी पर आरोप लगाने का वक्त नहीं है एक दूसरे का साथ देने का टाइम है। 40 साल में इतनी बारिश पहली बार हुई। इतनी बारिश को बर्दाश्त करने के लिए दिल्ली का सिस्टम तैयार नहीं है।

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में बिगड़े हालात

गौरतलब है कि भारी बारिश ने उत्तर और पश्चिम भारत में तबाही मचा दी है। हिमाचल प्रदेश समेत पहाड़ी राज्यों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। बीते 24 घंटे के दौरान मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन, बादल फटने, घर ध्वस्त होने, पेड़ और बिजली गिरने से 34 लोगों की मौत हो गई है। सबसे ज्यादा 11 मौतें हिमाचल में हुईं। इसके अलावा, यूपी में 8, उत्तराखंड में 6, दिल्ली में 3, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा व पंजाब में दो-दो की जान गई। हिमाचल के मंडी में ब्यास नदी के उफान में 40 साल पुराना पुल बह गया है। दिल्ली में 41 साल बाद जुलाई में एक दिन में 153 मिलीमीटर बारिश हुई है। बारिश के चलते उत्तर रेलवे ने 17 ट्रेनें रद्द कर दी हैं। 12 ट्रेनों के मार्ग बदलने पड़े हैं।

ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम झटका

» शिक्षक भर्ती घोटाले में सीबीआई-ईडी की जांच पर रोक लगाने से इनकार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय की जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने अभिषेक के खिलाफ जांच का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि अभिषेक बनर्जी चाहें तो मामला निरस्त करने के लिए हाई कोर्ट में आवेदन दाखिल कर सकते हैं।

बनर्जी ने ईडी को लिखा था पत्र

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने ईडी के सहायक निदेशक को इस संबंध में एक पत्र भी लिखा था। इसमें उन्होंने कहा, वर्तमान में, मैं कोलकाता में नहीं हूं और पश्चिम बंगाल के लोगों से जुड़ने के लिए एक राज्यव्यापी यात्रा के हिस्से के रूप में यात्रा कर रहा हूं। आगे, चूंकि राज्य के लिए पंचायत चुनाव 8 जुलाई को होने की घोषणा की गई है, इसलिए मैं तैयारी में लगा हुआ हूं। मांगी गई अधिकांश जानकारी और दस्तावेज पहले से ही उपयुक्त सरकारी विभागों के पास उपलब्ध हैं।

मणिपुर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी

» हिंसा को और बढ़ाने के लिए न करें कोर्ट का इस्तेमाल
» याचिकाकर्ता ठोस सुझाव के साथ यहां आएं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर हिंसा से संबंधित मामलों की सुनवाई करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत के मंच का इस्तेमाल मणिपुर में हिंसा को और बढ़ाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा जनहित याचिकाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हम केवल राज्य द्वारा उठाए जा रहे कदमों की निगरानी कर सकते हैं और यदि अतिरिक्त उपाय किए जा सकते हैं तो कुछ आदेश पारित कर सकते हैं। लेकिन हम सुरक्षा तंत्र नहीं चला सकते। मणिपुर सरकार ने स्थिति पर नवीनतम स्थिति रिपोर्ट सौंपी, जबकि इस पर सुनवाई मंगलवार को फिर से शुरू होगी।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मामले को पूरी संवेदनशीलता के साथ उठा सकते हैं क्योंकि किसी भी गलत सूचना से स्थिति बिगड़ सकती है। याचिकाकर्ताओं के वकील कॉलिन गोंसाल्वेस ने कहा कि मणिपुर की स्थिति में गंभीर वृद्धि हुई है।

सुरक्षा तंत्र या कानून व्यवस्था राज्य की जिम्मेदारी : चंद्रचूड़

सीजेआई ने गोंसाल्वेस से कहा कि आपका संदेह हमें कानून व्यवस्था संभालने के लिए प्रेरित नहीं कर सकता। जैसा कि गोंसाल्वेस ने तर्क दिया कि कथा मणिपुर में आदिवासियों के खिलाफ है, सीजेआई ने कहा, हम नहीं चाहते कि इस कार्यवाही को राज्य में मौजूद हिंसा और अन्य समस्याओं को और बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में इस्तेमाल किया जाए। हम नहीं चलाते हैं। सुरक्षा तंत्र या कानून व्यवस्था। यदि आपके पास सुझाव हैं तो हम ले सकते हैं।

कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे अपराधी : अखिलेश

सपा राज्य कार्यकारिणी में सहयोगियों को मिलेगी जगह

» बोले-भाजपा राज में कोई भी सुरक्षित नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार में कानून-व्यवस्था के गिरते स्तर पर बड़ा हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा राज में किसी की भी जिंदगी सुरक्षित नहीं है। अपराधी कानून व्यवस्था की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे है। मुख्यमंत्री कहते हैं कि अपराधी या तो जेल में हैं या राज्य के बाहर भाग गए हैं। फिर आखिर इन वारदातों को कौन अंजाम दे रहा है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर में बिजली उपकेंद्र पर दिनदहाड़े तमंचा लगाकर लूट हो गई।

मेरठ में गोरक्षक पुलिस सुरक्षा मांगता रहा और शूटरों ने गोलियों से उसे छलनी कर दिया। सोनभद्र में एक दलित युवक को चप्पल चाटने पर मजबूर किया गया।

समाजवादी पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी में शिवपाल सिंह यादव के सभी प्रमुख सहयोगियों को एडजस्ट किया जाएगा। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि शीघ्र ही कमेटी गठन का काम पूरा हो जाएगा। इसके लिए होमवर्क कर लिया गया है। रालोद के अलग राह पकड़ने की चर्चाओं को अफवाह बताया। कहा कि रालोद और सपा, चौधरी चरण सिंह के विचारों पर चल रहे हैं। भाजपा के अन्याय के खिलाफ मिलकर आगे भी लड़ते रहेंगे। नरेश उत्तम ने कहा कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि भाजपा मतदाता सूची में कोई खेल नहीं कर सके। पिछले चुनाव में सपा समर्थक मतदाताओं के बड़े पैमाने पर नाम सूची से हटा दिए गए थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के इशारे पर आज भी मतदाता सूची से नाम हटाने में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। नाम हटाने से पहले कोई भी सार्वजनिक नोटिस चस्पा नहीं किया जा रहा है।

मतदाता सूची में गड़बड़ी पर चुनाव आयोग से मिलेंगे

सपा ने फैसला किया है कि जहां भी गड़बड़ियां मिलेंगी, उसके खिलाफ चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाएंगे। उत्तम ने कहा कि हम बूथ पर अपना संगठन मजबूत कर रहे हैं। भाजपा सरकार पारदर्शिता के साथ चुनाव कराकर सपा से नहीं जीत सकती है, इसलिए बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में गड़बड़ियां करवाती है। गड़बड़ियां करने वाले कर्मचारियों के नाम और सुबूत के साथ चुनाव आयोग में शिकायत करने की योजना बनाई है। गठबंधन के सवाल पर कहा कि सपा यूपी में अकेले दम पर चुनाव जीतने में सक्षम है। गठबंधन को लेकर जो भी राष्ट्रीय नेतृत्व का फैसला होगा, उसे प्रदेश में पूरी शिद्दत के साथ लागू किया जाएगा।

राहुल सत्य की कठिन राह पर चल रहे : कमलनाथ

» भाजपा का कोई भी षड्यंत्र काम नहीं आएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मानहानि मामले में राहुल गांधी के खिलाफ आए गुजरात हाईकोर्ट के फैसले पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस नेता को महात्मा गांधी से जोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि बापू ने कहा था कि सत्य की रक्षा के लिए सब कुछ दांव पर लगाना है। कमलनाथ ने कहा कि मानहानि केस में राहुल गांधी के विषय में गुजरात हाईकोर्ट के फैसले के बाद मुझे महात्मा गांधी का कथन याद आता है।

बापू ने कहा था कि सत्य का मतलब सत्य बोलना मात्र नहीं है। सत्य का अर्थ है, सत्य की रक्षा के लिए सब कुछ दांव पर लगा देना और बड़ी से बड़ी कुर्बानी देकर भी सत्य से विचलित नहीं होना। राहुल गांधी ने सत्य की ऐसी ही कठिन राह पकड़ी है। हम सब उनके साथ हैं। इतिहास गवाह है कि चाहे जितनी परेशानियां आएं, चाहे जितनी परीक्षाएं हों, चाहे जितने षड्यंत्र किए जाएं, लेकिन अंत में जीत सत्य की ही होती है। उधर छिंदवाड़ा में कांग्रेस ने होर्डिंग की फोटो जारी की है, जिसमें कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ की फोटो के साथ कर्जमाफी और सिलेंडर के आधे दाम करने का स्लोगन लिखा है। इसमें कहीं भी नारी सम्मान योजना का जिक्र नहीं है, जिस पर बीजेपी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष गरिमा प्रतीक दामोदर ने कहा, चुनाव का दौर आते ही कांग्रेस होर्डिंग लगाकर सक्रिय होने की कोशिश कर रही है।

समान नागरिक संहिता पर बातें सिर्फ हवा-हवाई : सचिन पायलट

» बोले- लोगों के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए केंद्र ने फेंकी गुगली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समान नागरिक संहिता पर बढ़ती बहस के बीच कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा है कि इसके बारे में बातें सिर्फ हवा-हवाई हैं, क्योंकि इसका कोई ठोस प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने लोगों से जुड़े वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए यह गुगली फेंकी है और वह राजनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रही है।

पायलट ने यूसीसी पर कहा, मैं लैंगिक समानता और लोगों को व्यक्तिगत जीवन या विरासत में हर तरह से न्याय दिलाने के पक्ष में हूं, लेकिन इसका एक उचित प्रारूप होना चाहिए। हम उन मुद्दों के बारे में बात क्यों नहीं कर रहे हैं, जो इस विभाजनकारी एजेंडे के मुकाबले कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि स्थायी समिति या संसद में इस बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है और यह सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी पर आधारित है।

यूसीसी लागू करना आसान नहीं: आजाद

» बोले- सभी धर्मों के लोगों पर पड़ेगा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

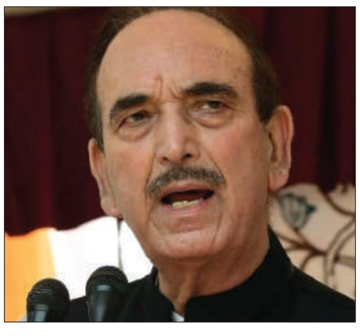

श्रीनगर। पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद ने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करना अनुच्छेद 370 को रद्द करने जितना आसान नहीं होगा। केंद्र सरकार को आगाह करते हुए कहा कि इसका असर सभी धर्मों पर पड़ेगा। उन्होंने श्रीनगर में कहा कि इसे लागू करने का कोई सवाल ही नहीं है। सभी धर्म इसमें शामिल हैं। न केवल मुस्लिम, बल्कि ईसाई और सिख, आदिवासी, जैन, पारसी भी इससे प्रभावित होंगे।

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी सरकार के लिए अच्छा नहीं होगा इसलिए मैं सरकार को सुझाव देता हूं कि वह यह कदम उठाने के बारे में सोचे भी नहीं। डीपीएपी अध्यक्ष ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन के भूमिहीनों को सरकारी जमीन देने वाली नीति की घोषणा का स्वागत किया। इसके साथ ही मांग रखी है कि जमीन बाहरी लोगों को नहीं बल्कि केंद्र शासित प्रदेश के गरीब निवासियों को दी जाए। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री, जिन्होंने कांग्रेस के साथ अपने पांच दशक से अधिक पुराने संबंध को समाप्त करने के बाद पिछले साल सितंबर में डीपीएपी का गठन किया था ने केंद्र शासित प्रदेश में शीघ्र विधानसभा चुनाव की वकालत की।

लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चुनाव जरूरी

उन्होंने कहा कि 2018 में विधानसभा भंग कर दी गई थी। तब से हम चुनाव का इंतजार कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के लोग राज्य में लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली का इंतजार कर रहे हैं। जब लोग अपने प्रतिनिधियों को चुनेंगे, तो वे विधायक बनेंगे और सरकार बनाएंगे। लोकतंत्र में केवल निर्वाचित प्रतिनिधि ही लोगों के लिए काम कर सकते हैं। अधिकारी इसे यहां या देश में कहीं भी छह महीने से अधिक समय तक नहीं चला सकते। निर्वाचित प्रतिनिधियों का होना महत्वपूर्ण है। हम लगातार यह मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द चुनाव कराए जाएं। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के घटनाक्रम पर आजाद ने कहा कि मेरे मन में (शरद) पवार के लिए बहुत सम्मान है, मैं चाहता था कि उनकी पार्टी मजबूत हो। लेकिन आंतरिक स्थिति के कारण जो कुछ भी हुआ इससे खुश नहीं हूं। यह उनका आंतरिक मामला है।

बंगाल की घटना लोकतंत्र के लिए घातक

दिग्विजय बोले- मैं ममता के धैर्य व दृढ़ता का प्रशंसक

» टीएमसी ने भाजपा, कांग्रेस व वामदलों पर लगाया हिंसा का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

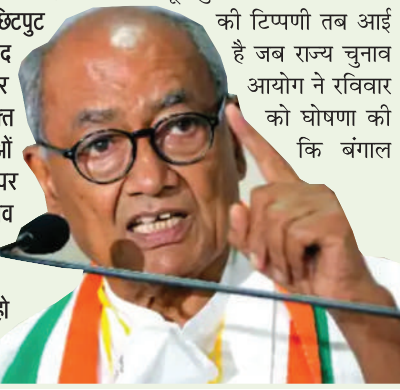

भोपाल। वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में छिटपुट विरोध प्रदर्शन और चुनाव के बाद हिंसा की घटनाएं जारी रहने के पर इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। दिग्विजय सिंह ने इन घटनाओं को अक्षम्य बताते हुए ट्विटर पर लिखा कि बंगाल में पंचायत चुनाव में जो हो रहा है वह भयावह है। मैं ममता के धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रशंसक रहा हूं, लेकिन जो हो रहा है वह अक्षम्य है। हम जानते हैं कि आपने सीपीएम शासन में इसी तरह की स्थिति का बहादुरी से सामना किया था लेकिन अब जो हो रहा है वह हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

कांग्रेस नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की टिप्पणी तब आई है जब राज्य चुनाव आयोग ने रविवार को घोषणा की कि बंगाल पंचायत चुनाव के लिए 696 बूथों पर सोमवार को पुनर्मतदान होगा, जहां ग्रामीण चुनाव के लिए मतदान शून्य घोषित कर दिया गया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने राज्य के कई जिलों में हुई हिंसा में कांग्रेस, भाजपा और वाम दलों के शामिल होने का आरोप लगाया है। पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में रविवार को पंचायत चुनावों में हुई हिंसा और अनियमितताओं के आरोपों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए। 20 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के दौरान करीब 18 लोगों के मारे जाने के एक दिन बाद सभी राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि रविवार को उत्तर और दक्षिण बंगाल के कई हिस्सों में छिटपुट हिंसा जारी रही।

दिग्विजय सिंह के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट में केस दर्ज

उज्जैन। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के फेसबुक आईडी से आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर को लेकर डाली गई पोस्ट के मामले ने तूल पकड़ा हुआ है। इंदौर के बाद उज्जैन में भी रविवार रात को अजाक थाने में एट्रोसिटी एक्ट सहित किसी समुदाय के खिलाफ उकसाने को लेकर धारा 505 के तहत केस दर्ज किया गया है। भेरूनाला वाल्मीकि बस्ती निवासी राजकुमार पिता स्वर्गीय गेंदालाल घावरी ने अजाक थाने में इस पोस्ट को लेकर आवेदन दिया था, जिसमें पुलिस ने रात को धारा 505 के अलावा अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम 1989 3(1) (यू) के तहत दिग्विजय सिंह नामक फेसबुक आईडी पता श्यामला हिल्स भोपाल के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। राजकुमार घावरी ने एफआईआर में उल्लेख किया कि इस पोस्ट मे गोलवलकर के संबंध में फर्जी व भ्रामक पोस्ट डालकर मेरी जातिगत भावनाओं को आहत किया व समाज में विद्वेष फैलाना चाहा है। घावरी ने पुलिस को बताया था कि वह अनुसूचित जाति का सदस्य होकर राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ का कार्यकर्ता है। संबंधित पोस्ट को लेकर कार्रवाई की जाए।

फिर याद आए... वो जिन्हें छोड़ दिया था

» 24 के चुनाव के चलते भाजपा पुराने साथियों को जोड़ने में जुटी

» उत्तर से लेकर दक्षिण तक सियासी दलों की चौखट पर पहुंचे शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं वैसे-वैसे राजनैतिक दलों ने अपनी-अपनी बिसात बिछानी सभी ने शुरू कर दी है। विपक्ष एक ओर जहां 2024 में भाजपा और मोदी को सत्ता से उखाड़ फेकने की रणनीति बना रहा है, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा 24 को लेकर काफी व्यग्रता में है। भाजपा विपक्षी एकता से परेशान हो गई है इसलिए अब वह एकबार फिर उन सहयोगियों साधने की जुगत में लग गई है जिनकी वह सुध लेना भूल गई थी।

इसीलिए अब भाजपा ने चुनाव से पहले फूट डालो-राज करो की नीति पर भी काम करना शुरू कर दिया है। जिसकी एक झलक महाराष्ट्र में फिर से देखने को मिली, जब अजित पवार एनसीपी को तोड़कर महाराष्ट्र, की भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल हो गए। एनसीपी का हाल देखकर अब ये कयास लगाए जाने लगे हैं कि 24 आते-आते भाजपा और राज्यों में भी टूट-फूट की नीति अपना सकती है। इसमें बिहार, उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों के नाम आगे आ रहे हैं, क्योंकि भाजपा का पहला टारगेट क्षेत्रीय पार्टियां रहती हैं, इसलिए भाजपा इन राज्यों की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों में फूट डालकर उनको तोड़कर राज्य की सियासत में भूचाल लाने का प्रयास कर रही है।

कैबिनेट फेरबदल से भी साधेंगे निशाना

अब भाजपा का शीर्ष नेतृत्व 24 को नजर रखकर सबका साथ और अपना विकास की नीति को भी अपनाने को तैयार हो गए हैं। यानी कि कुछ दिन पहले तक जो भाजपा क्षेत्रीय दलों को अपने जूते की नोक पर रखती थी, अब 24 में सत्ता जाने के भय से साहेब और भाजपा इन क्षेत्रीय दलों को भी अपने साथ लाने को तैयार दिख रहे हैं, तभी ये कयास भी लगाए जा रहे हैं कि 24 से पहले ऐसे कई क्षेत्रीय दल व विपक्ष की ओर रहे दलों को भाजपा अपने साथ ला सकती है। दरअसल, ऐसी संभावनाएं इसलिए जताई जा रही हैं क्योंकि जाहिर है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले मोदी कैबिनेट में फेरबदल किया जाएगा। क्योंकि इस कैबिनेट बदलाव के बहाने ही इस साल होने वाले 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव और 24 के लोकसभा चुनाव को साधने का प्रयास किया जाएगा। इस कैबिनेट फेरबदल में ही भाजपा इन क्षेत्रीय दलों को अपने साथ लाने का प्रयास करेगी। ताकि इन्हें मंत्रिपद का लालच देकर इनके सहारे 24 के बिगड़ते हालातों को संभाला जाए।

बिहार में चिराग से लेंगे रोशनी

दोबारा सत्ता में आने के लिए भाजपा के लिए यूपी और बिहार काफी महत्वपूर्ण हैं, और बिहार में जबसे नीतीश कुमार फिर से अलग हुए हैं और लालू के साथ गए हैं, तबसे भाजपाई खेमे में खलबली मची हुई है। उधर विपक्षी एकता के भी सूत्रधार नीतीश कुमार ही बन रहे हैं, इसलिए मोदी बिहार में भाजपा की स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं, इसके लिए वो वहां के क्षेत्रीय दलों को अपने साथ लाने में लगे हुए है,और ऐसे में खुद को पीएम मोदी का हनुमान बताने वाले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान भी भाजपा के साथ आ सकते है, क्योंकि उनके पिता की मौत के बाद तो वो अपनी ही पार्टी में साइडलाइन हो गए थे, चिराग बिहार में लगातार बीजेपी के साथ रहे हैं, भाजपा से नजदीकियों के चलते ही हाल ही में चिराग को सुरक्षा भी दी गई थी। चिराग इसलिए भी भाजपा के लिए जरूरी हैं, क्योंकि बिहार में चिराग के साथ करीब 6 फीसदी दलित समुदाय का वोट है और पिछले लोकसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी को 6 सीटें भी मिली थीं। भाजपा अपने मिशन 2024 की लड़ाई में वोटों के महत्व को अच्छे से जानती है। लिहाजा बिहार जैसे राज्य में जहां महागठबंधन से सीधे मुकाबला करना है, वहां वह कोई जोखिम मोल नहीं लेना

चाहती है,तो वहीं चिराग भी पिछले काफी वक्त से मोदी मंत्रिमंडल में शामिल होने को लेकर बाट जोह रहे हैं, इसलिए संभव है कि मोदी मंत्रिमंडल में चिराग को भी जगह दी जा सकती है वहीं उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोक जनता दल भी एनडीए का हिस्सा बन चुकी है। तो वहीं कुशवाहा मोदी कैबिनेट में पहले भी मंत्री रह चुके हैं, उपेंद्र कुशवाहा के सहारे भाजपा बिहार में कोइरी-कुशवाहा वोटों को साधने का प्रयास करेगी, क्योंकि अभी तक ये तबका राज्य के सीएम नीतीश कुमार के साथ मजबूती के साथ खड़ा है, लेकिन कुशवाहा के जरिए भाजपा नीतीश के इस वोट बैंक को अपने पाले में करने की जुगत में है, इसलिए कुशवाहा को मंत्रिमंडल में जगह देकर भाजपा उस वोट बैंक को बड़ा संदेश देना चाहेगी।

विपक्ष को तोड़ना आसान नहीं

भाजपा के लिए विपक्ष को तोड़ना आसान नहीं होगा, क्योंकि जिस हिसाब से भाजपा बाकी दलों को लालच दे रही है और उन्हें अपने साथ लाना चाह रही है, उस हिसाब से तो कैबिनेट में भाजपा से ज्यादा अन्य दलों की ही मौजूदगी हो जाएगी,साथ ही इन दलों के नेताओं को कैबिनेट में शामिल करने पर भाजपा को अपने ही कई मंत्रियों की छुट्टी भी करनी पड़ेगी, इसके अलावा विधानसभा चुनावों को भी ध्यान में रखते हुए इन राज्यों से भी अपने लोगों को कैबिनेट में शामिल करना पड़ेगा,ऐसे में भाजपा के लिए ये करना इतना आसान तो नहीं है। लेकिन 24 में सत्ता के सिंघासन को हिलता देखते हुए भाजपा इन दलों के आगे झुकने को तैयार है। वर्ना ये वो ही भाजपा है जो कभी उद्धव ठाकरे को सीएम बनाने को तैयार नहीं थी, तो कभी एचडी कुमारस्वामी को समर्थन करने को तैयार नहीं थी।

महाराष्ट्र में प्रफुल्ल से चुनावी महक लेने की कोशिश

महाराष्ट्र से भी भाजपा सामंजस्य बिठाने का प्रयास करेगी। इसके लिए सबसे पहले शिवसेना तोड़कर आए महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के साथियों को अपनी कैबिनेट में जगह देना भाजपा और मोदी के लिए मजबूरी भी है, शिंदे इस बाबत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से कई बार मुलाकात भी कर चुके है। इसके अलावा महाराष्ट्र में सियासी उलटफेर करने वाले एनसीपी के बागी अजित पवार के गुट से भी भाजपा को किसी न किसी को अपनी कैबिनेट में जगह देनी ही पड़ेगी। जिसमें अभी तो प्रफुल्ल पटेल का नाम चल रहा है कि वो मोदी कैबिनेट का हिस्सा बन सकते हैं। इसीलिए उन्होंने शरद पवार का साथ छोड़कर अजित के साथ जाना उचित समझा, इन शिंदे और अजित पवार के लोगों को इसलिए भी भाजपा अपनी कैबिनेट में जगह देगी क्योंकि महाराष्ट्र विधानसभा और लोकसभा दोनों में भाजपा की हालत काफी पतली नजर आ रही है।

पंजाब में अकाली दल की चौखट पर भाजपा

भाजपा अपने पुराने सहयोगियों के साथ जुड़कर एनडीए के कुनबे को बढ़ाने की फिराक में है। पहला नाम आता है शरोमणि अकाली दल का। अकाली दल कई सालों तक पंजाब में भाजपा की साथी रही। और देश की सत्ता में भी अकाली दल से हरसिमरत कौर बादल मोदी कैबिनेट का हिस्सा रहीं, लेकिन कृषि कानूनों के विरोध में किसानों के आंदोलन का समर्थन करते हुए मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद अकाली दल ने भी भाजपा से अपना नाता तोड़ लिया था,हालांकि, उसके बाद पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में अकाली और भाजपा दोनों को ही कोई फायदा नहीं हुआ। अब जब 24 नजदीक है तो बीजेपी को पुराने साथी अकाली की याद सताने लगी है, ऐसे में ये संभावनाएं जताई जा रही हैं कि अकाली एक बार फिर भाजपा के साथ आ सकते है, और संभवतः हरसिमरत कौर एक बार फिर मोदी कैबिनेट का हिस्सा बन सकती हैं। पंजाब में अभी भी अकाली दल का अपना अच्छा खासा वोट बैंक है।

रेड्डी व नायडू से बढ़ाई नजदीकियां

वहीं आंध्र प्रदेश को साधने के लिए भाजपा और साहेब तेलुगु देशम पार्टी के चंद्रबाबू नायडू को भी अपने खेमे में लाने की कोशिश में लगे हैं, क्योंकि टीडीपी पहले भी एनडीए का हिस्सा रह चुकी है, वहीं नायडू भी एनडीए के संयोजक तक रह चुके हैं, ऐसे में कर्नाटक जाने के बाद अब भाजपा दक्षिण भारत में अपना कोई ठिकाना ढूंढ रही है, इसलिए वो काफी फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। इसलिए आंध्र प्रदेश में पार्टी को अपना जनाधार बढ़ाने के लिए नायडू की जरूरत महसूस हो रही है। ऐसे में नायडू को एनडीए में शामिल करके उनके दल से भी किसी को मंत्रिमंडल में शामिल कर सकती है। हालांकि, चंद्रबाबू नायडू की भाजपा से नजदीकियों का बढ़ता देख आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी भी पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह से मुलाकात करने पहुंच गए। निश्चित ही बात इधर भी 2024 में सहयोग और कैबिनेट

में स्थान को लेकर ही हुई होगी। अब फैसला भाजपा को करना है कि उसे चंद्रबाबू नायडू और जगन मोहन रेड्डी में से किसे अपने पाले में लाना है। इसके अलावा तेलंगाना से केसीआर भी हैं, क्योंकि केसीआर को राहुल गांधी भाजपा की बी पार्टी बता रहे हैं, हालांकि, अगले ही दिन अखिलेश यादव उनसे मिलने पहुंच जाते हैं, जो एक अलग ही सियासी इशारा देता है, अब यहां आगे क्या होगा ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। इसके अलावा जिस कर्नाटक से भाजपा को विधानसभा चुनाव में तगड़ा झटका लगा है, वहां भी भाजपा खुद को फिर से खड़ा करने पर विचार कर रही है। इसलिए वो एचडी देवगौड़ा की जेडीएस पर भी डोरे डाल रहे हैं। हालांकि, अभी ये साफ नहीं हुआ है कि जेडीएस का रुख किधर है। तो वहीं ओडिशा में नवीन पटनायक भी शुरू से विपक्ष से दूरी ही बनाकर चल रहे हैं। और इस बीच वो पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह से मुलाकात भी कर चुके हैं, ऐसे में साफ है कि अगर जरूरत पड़ेगी तो पटनायक विपक्ष में न जाकर भाजपा के ही साथी बनना पसंद करेंगे। उत्तर प्रदेश में सुभासपा का रुख जहां तक है भाजपा की तरफ पूरी तरह से साफ हो ही चुका है, तो वहीं बसपा भी बाहर से भाजपा का ही साथ देने को तैयार है, जबकि निषाद पार्टी सत्ता के साथ जाने में कतई पीछे नहीं हटेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

न्याय होना ही नहीं दिखना चाहिए

> सवाल यह भी उठता है कि जो पुलिसिया तंत्र शुरू से ही इस तरह की लापरवाही दिखा रहा था, उसने साक्ष्य इकट्ठा करने में कितनी तत्परता दिखाई होगी। जून 2019 की दिल दहला देने वाली इस घटना में 24 साल के युवक तबरेज अंसारी को बुरी तरह पीटा गया था। वह पुणे में वेल्डर का काम करते थे और ईद मनाने झारखंड के सरायकेला स्थित अपने गांव धतकीडीह आए हुए थे।

अदालत जनभावनाएं नहीं देखती, उसे साक्ष्यों के आधार पर ही फैसला सुनाना पड़ता है। लेकिन न्याय शास्त्र की एक अहम कसौटी यह भी है कि न्याय होना काफी नहीं है, न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। दरअसल अभी हाल में झारखंड के बहुचर्चित तबरेज अंसारी लिंचिंग केस में निचली अदालत ने दोषी करार दिए गए दस लोगों को दस-दस साल के सश्रम कारावास और 15-15 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। पीड़ित पक्ष ने इस सजा को कम बताते हुए कहा है कि वह इसे ऊपरी अदालत में चुनौती देगा। इस मामले में जहां एक तरफ बर्बरता के उदाहरण मिलते हैं, वहीं दूसरी तरफ पुलिस और प्रशासन की घोर लापरवाही भी नजर आती है। सवाल यह भी उठता है कि जो पुलिसिया तंत्र शुरू से ही इस तरह की लापरवाही दिखा रहा था, उसने साक्ष्य इकट्ठा करने में कितनी तत्परता दिखाई होगी। जून 2019 की दिल दहला देने वाली इस घटना में 24 साल के युवक तबरेज अंसारी को बुरी तरह पीटा गया था। वह पुणे में वेल्डर का काम करते थे और ईद मनाने झारखंड के सरायकेला स्थित अपने गांव धतकीडीह आए हुए थे।

वहीं गांव के कुछ लोगों को संदेह हुआ कि तबरेज बाइक चुराने के मकसद से किसी घर में घुसे थे। इसी संदेह के आधार पर उन्हें बांधकर पीटा जाता रहा। उनसे धार्मिक नारे भी लगवाए गए। सुबह बुरी तरह घायल अवस्था में तबरेज को पुलिस के हवाले किया गया, लेकिन उसके बाद भी अस्पताल में इलाज करवाने के बजाय उन्हें जेल भेज दिया गया। चार दिन बाद जब उनकी हालत बिगड़ी तो बेहोशी की हालत में 22 जून को पहले सदर अस्पताल और फिर जमशेदपुर के टाटा मेन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां बताया गया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई थी। यह भी ध्यान देने लायक है कि इस केस में पीड़ित पक्ष के जोर देने के बावजूद हत्या का मामला नहीं बनाया जा सका। दोषियों पर गैरइरादतन हत्या की धाराएं ही लगीं और उनमें भी सर्वाधिक कठोर सजा नहीं दी गई। क्या अदालत का काम यह देखना नहीं था कि मामले की जांच सही ढंग से हुई या नहीं और सभी जरूरी साक्ष्य जुटाए गए या नहीं? क्या झारखंड की निचली अदालत में यह जिम्मेदारी सही ढंग से निभाई जा सकी है? ऐसे सवालों के जवाब चलताऊ ढंग से नहीं दिए जा सकते। अदालती प्रक्रिया के तहत ही इन पर विचार किया जाना चाहिए। न्यायपालिका के ऊपरी हिस्सों की यह जिम्मेदारी है कि अगर निचली अदालतों से किसी मामले को सही ढंग से समझने में गलती हो जाती है तो वे उस गलती को दुरुस्त करें। अच्छी बात है कि पीड़ित पक्ष ने ऊपरी अदालतों में जाने का फैसला किया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सत्ता की राजनीति में विचार-सिद्धांतों की बलि

विश्वनाथ सचदेव

हाल ही की बात है। अमेरिका के अपने ऐतिहासिक दौरे के ठीक बाद प्रधानमंत्री ने भोपाल में अपने समर्थकों की एक सभा में छाती ठोक कर 'गारंटी' दी थी कि वे राजनीति में भ्रष्टाचार का झंडा गाड़े लोगों को उखाड़ फेंकेंगे। बड़े नाटकीय अंदाज में कही थी उन्होंने यह बात। और श्रोताओं ने तालियां बजाकर उनके इस अंदाज की प्रशंसा की थी। उस सभा में प्रधानमंत्री ने नाम लेकर महाराष्ट्र के राजनीतिक दल नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेताओं को भ्रष्टाचारी बताया था और बड़े-बड़े घपले गिनाये थे। अच्छा लगा था यह सुनकर और पिछले उदाहरणों के बावजूद यह विश्वास करने का मन किया था कि भ्रष्टाचार की राजनीति करने वालों के खिलाफ अब कुछ ठोस कार्रवाई होगी।

पर इस 'गारंटी' के लगभग एक सप्ताह बाद ही महाराष्ट्र की राजनीति में जो उठापटक हुई उससे यह विश्वास चूर-चूर हो गया। एनसीपी के नेता अजित दादा पवार पर प्रधानमंत्री पहले भी करोड़ों-करोड़ों के सिंचाई घोटाले और सहकारी बैंक घोटाले का आरोप लगा चुके हैं, इसी 'अपराध' की सजा देने की बात उन्होंने फिर दुहराई थी। यही नहीं, महाराष्ट्र के वर्तमान उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने भी अजित पवार को 'चक्की पीसिंग पीसिंग' का श्राप दिया था। लेकिन एक ही झटके में वह सारी बातें हवा हो गयीं। अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी के कुछ नेताओं ने बगावत कर दी और 'चाल-चरित्र' का दावा करने वाली 'दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी' ने भ्रष्टाचार के सारे आरोपों को भुलाकर उन्हें अपने दामन में समेट लिया। अब फडणवीस के साथ अजित पवार भी महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री हैं और प्रदेश में तीन इंजनों वाली सरकार काम कर रही है। महाराट्र की राजनीति पर इस राजनीतिक भूचाल का क्या असर पड़ता है यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, लेकिन प्रधानमंत्री की 'गारंटी' ने और उसके तत्काल बाद इस परिघटना ने राजनीति में नैतिकता के सवाल को फिर से उछाल कर सामने ला दिया है।

यूं तो राजनीति में नैतिकता की अपेक्षा करना अपने आप में एक मजाक लगने लगा है, फिर भी जब कोई बड़ा नेता राजनीति से भ्रष्टाचार को मिटाने की गारंटी देने का काम करता है तो यह आकांक्षा बलवती हो जाती है कि शायद वह ईमानदारी से कह रहा हो! सत्तारूढ़ दल के नेता अक्सर बड़े गर्व से यह बात कहते हैं कि प्रधानमंत्री ने 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' वाली राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह भी सही है कि भाजपा के केंद्रीय मंत्रियों पर अभी तक भ्रष्टाचार का कोई सीधा आरोप नहीं लगा है, पर भ्रष्टाचार के आरोपी व्यक्तियों को अपने साथ लेकर या उनके सहारे राज्यों में सरकारें बदलने-बनाने का एजेंडा चलाकर पार्टी हमारी राजनीति के भ्रष्ट चेहरे को ही सामने ला रही है। विभिन्न राज्यों में दागी व्यक्तियों के सहारे सत्ता पर कब्जा करने के उदाहरणों को अब खोजना नहीं पड़ रहा। आये दिन ऐसे राजनेताओं के चेहरे सामने आ रहे हैं, जिन पर भाजपा नेताओं द्वारा भ्रष्टाचार के आरोप लगाये जाते रहे थे और फिर उनके भाजपा में आते ही वे साफ-सुथरे बन गये! इसी संदर्भ में भाजपा को उसके विरोधी अक्सर ऐसी 'वॉशिंग मशीन' कहते रहते हैं जिसमें भ्रष्ट राजनेता बेदाग हो जाते हैं। भाजपा के नेता ऐसी बातों को पूरी तरह से अनसुना कर देते हैं। आज आवश्यकता इस अनसुने को सुनने की है। वैसे तो राजनीति को शैतानों की अंतिम शरणस्थली कहा गया है और यह मान लिया गया है कि राजनीति में नैतिकता की अपेक्षा करना ही गलत है, फिर भी यह सवाल तो उठता ही है कि हमारी राजनीति संस्कारहीन और अनैतिक क्यों होती जा रही है? क्यों राजनीतिक दलों को आपराधिक तत्वों के सहारे राजनीति करने की मजबूरी को झेलना पड़ता है और क्यों ऐसा नहीं हो पाता कि जनता ऐसे तत्वों को नकार दे। यह अपने आप में विडंबना ही है कि हर रंग का राजनेता अपने बेदाग होने का दावा करता है और हमारी राजनीति ऐसे दावों का मजाक उड़ाती दिखती है। आज यह गिनना आसान नहीं है कि

आज हमारे कितने बड़े नेताओं पर कितने बड़े-बड़े आरोप लगे हुए हैं। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले कई राजनेता राजनीतिक दलों और सरकारों में ऊंचे-ऊंचे पदों पर बैठे हुए हैं।

सरकारें अक्सर अपने विरोधियों पर भ्रष्टाचार समेत अनेक आपराधिक कार्यों के आरोप लगाती हैं और अक्सर ऐसे आरोपी राजनीतिक स्वार्थों को साधने के लिए या तो नजरंदाज कर दिये जाते हैं या फिर आरोप-मुक्त कर दिये जाते हैं। असली एनसीपी का नेता होने का दावा करने वाले अजित पवार पर भाजपा कल तक भ्रष्टाचार का आरोप लगाती रही है। यही नहीं, तीन साल पहले जब अजित पवार के साथ मिलकर भाजपा के देवेंद्र फडणवीस ने सरकार बनायी थी तो रातों-रात अजित पवार पर चलने वाले मामले वापस ले लिए गये थे। आज उस अड़तालीस घंटे वाली सरकार की इसी कार्रवाई का नाम लेकर अजित पवार स्वयं को बेदाग बता रहे हैं।

व्यावहारिक नीति के क्रियान्वयन से ही सफलता

योगेश कुमार सोनी

आज से एक वर्ष पूर्व राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग करने वाले 19 उत्पादों पर बैन लगाया गया था। स्थिति यह है कि उक्त सभी प्रोडक्ट केवल सरकार की निगाह में प्रतिबंधित हैं लेकिन असल में धड़ल्ले से चल रहे हैं। विडंबना यह कि धरातल पर काम नहीं होते हैं। सरकार ने प्रतिबंध के लिए एक अलग से विभाग गठित किया लेकिन मिलीभगत से सब संचालित होता रहता है। इस तरह के आदेश पहले भी कई बार किये जा चुके हैं लेकिन इसका असर मात्र कुछ दिन ही दिखा उसके बाद फिर वही स्थिति आ जाती है। करीब चार वर्ष पूर्व भी दिल्ली सरकार ने एलडी, पीपी, एचएम व बबल वाली पॉलिथीन को पूर्णत: प्रतिबंधित कर दिया गया था लेकिन वे अब भी वह खूब बिक रही हैं।

इस खेल में आश्चर्य यह कि इसकी फैक्ट्रियां आज भी खुलेआम माल बना रही हैं और उनमें किसी पर कार्रवाई नहीं हुई। कुछ समय पूर्व सरकार ने 50 माइक्रोन से ज्यादा डेली यूज प्लास्टिक के लिए आदेश जारी किए थे लेकिन अब इसमें बदलाव कर 75 माइक्रोन कर दिया। असल में खरीदार यह लेने को तैयार नहीं हैं चूंकि उनको ज्यादा माइक्रोन की पॉलीथिन महंगी पड़ती है जिससे उनका मुनाफा घट जाता है। यदि वाकई प्लास्टिक पर बैन लगाना है तो सरकार की ओर से बड़े एक्शन प्लान की जरूरत है। इस मामले में जरा सी लापरवाही व गलती पर तुरंत एक्शन ले लिया जाए। जिस तरह कोरोना काल में मास्क लगाने के लिए चप्पे-चप्पे पर वॉलंटियर खड़े कर दिये थे तो कोई भी बिना मास्क के नहीं दिखता था। मास्क जरा सा नीचे दिखने पर भी चालान काट दिया जाता था। इस मामले में भी कुछ इस तरह की रणनीति बनानी होगी। दरअसल सरकारें अपनी ओर से प्रयास करती हैं लेकिन विभागीय स्तर पर सही कार्यान्वयन नहीं होता है। जिम्मेदार अमले को यह समझना होगा कि उनके इस कृत्य से मानव जीवन पर प्रहार हो रहा है। वहीं महानगर वासियों को भी पर्यावरण नियमों के पालन व सुधार के प्रति दृढ़ और जागरूक रहना चाहिये। अपनी दिनचर्या व संचालन प्रक्रिया में थोड़ा सा बदलाव कर मानव जीवन को सुरक्षित करें।

वैश्विक संस्थाओं की ओर से पर्यावरण के प्रति जागरूक करने को प्रकृति और पृथ्वी के संरक्षण के लिए तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हमारे देश में भी इसको बेहद गंभीर मुद्दा माना जा रहा है लेकिन लोग कुछ देर ही जागरूक होकर फिर पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं। इसमें दो राय नहीं है कि सरकारें ऐसे मामलों में बड़ा बजट पारित करती हैं व इसके प्रति गंभीर भी रहती हैं। लेकिन नागरिक इस बात की पर्याप्त गंभीरता नहीं समझ पा रहे हैं। यदि हम आज भी छोटी-छोटी चीजों को समझ कर उन पर अमल करना शुरू कर दें तो निश्चित तौर पर हम अपनी आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण व स्वस्थ जीवन दे सकते हैं। बीते दिनों केन्द्रीय पर्यावरण नियंत्रण बोर्ड के एक अध्ययन में सामने आया कि एक व्यक्ति एक साल में करीब 8 किलो प्लास्टिक कचरा फेंकता है और महानगरों में इसकी संख्या चौगुनी है।

इस प्लास्टिक कचरे से नालियां बंद हो जाती हैं, धरती की उर्वरा शक्ति खत्म हो जाती है, भूजल पीने योग्य नहीं रह जाता वहीं रंगीन प्लास्टिक बैग से कैंसर रोग हो सकते हैं। महानगर वासी तो पहले से ही प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। पानी को पीने योग्य बनाने के लिए भी आरओ वॉटर सिस्टम लगाते हैं। महानगरों में शायद ही ऐसा कोई घर हो जहां यह सिस्टम न लगा हो। पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार, प्लास्टिक के 20 माइक्रोन या इनसे पतले उत्पाद पर्यावरण के लिए बहुत घातक हैं। इन थैलियों के मिट्टी में दबने से फसलों के लिए उपयोगी कीटाणु मर जाते हैं। इन थैलियों के प्लास्टिक में पॉलीविनाइल क्लोराइड होता है जो मिट्टी में दबे रहने पर भूजल को जहरीला बना देता है। ऐसे उदाहरण कई बार सामने आ चुके हैं लेकिन फिर ऐसी घटनाओं को हल्के में लिया जाता रहा है। यह भी तथ्य है कि बारिश में प्लास्टिक थैली आदि कचरे से नदी-नाले अवरुद्ध हो जाते हैं जिससे बाढ़ का खतरा पैदा होता है। इसके अलावा हवा में प्रदूषण फैलने से कई तरह के रोग फैलते हैं। उधर प्लास्टिक कचरा खाने से आवारा पशु मर जाते हैं। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से हर साल पूरी दुनिया में दस करोड़ जीव-जंतु मर जाते हैं।

प्रभावित समुद्री जीवों को जो लोग खाते हैं उनको कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। दुनिया में कई देश ऐसे हैं जो समुद्री भोजन खाते हैं। ऐसे देशों में कैंसर पेशेंट की संख्या ज्यादा है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं प्लास्टिक के पर्यावरण को नुकसान बताने के लिए लेकिन सवाल यही है कि इस पर नियंत्रण कैसे पाया जाए। इस समय यदि इस मामले पर ईमानदारी से काम नहीं हुआ तो हम आने वाली पीढ़ी को विरासत में बहुत खतरनाक बीमारियां दे जाएंगे। ऐसे में हर नागरिक का दायित्व है कि जहां भी अवैध रूप से पर्यावरण को बिगाड़ने वाली गतिविधि हो रही हो वहां का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालते हुए सभी को टैग कर दिया जाए। इसके अलावा सरकारों को भी कार्यान्वयन करने वाले अपने तंत्र को दुरुस्त व कड़ा करना चाहिये। लेकिन सबसे पहले नागरिक के तौर पर हमें सुधरने की जरूरत है। प्लास्टिक की थैली या संबंधित प्रतिबंधित सामग्री में सामान लेने से इनकार करने की आदत डालें।

कूर्ग और लंढौर

कर्नाटक का खूबसूरत हिल स्टेशन मानसून के दौरान बिल्कुल अलौकिक दिखता है। एक शांत हिल स्टेशन, कूर्ग की प्राकृतिक खूबसूरती का कोई जवाब नहीं। कूर्ग हिल्स स्टेशन या कोडगु पर्यटन स्थल भारत के कर्नाटक राज्य में मौजूद है, जो कि अपने खूबसूरत पर्यटन स्थल और वादियों के लिए जाना जाता है। मशहूर कूर्ग प्रकृति प्रेमियों को यकीनन बेहद पसंद आने वाला है। प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेना है, तो जुलाई के महीने में लंढौर जरूर जाएं। इस समय के दौरान उत्तराखंड का छोटा छावनी शहर पूरी तरह हरा-भरा और सुंदर हो जाता है।

कोडईकनाल

कोडईकनाल दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु का एक पहाड़ी शहर है। कोडईकनाल को जुलाई की छुट्टियों के लिए घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों के लिए जाना जाता है। कोडईकनाल में इस वक्त मानसून छाया हुआ है और इस दौरान यह जगह बेहद खूबसूरत हो जाती है।

मेघालय

बादलों का निवास कहे जाने वाले मेघालय, दुनिया की सबसे नम जगह मावसिनराम का घर है। यह प्रकृति और बारिश के प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन जगह है। मेघालय पर्यटन स्थल टूर पैकेजिंग और खूबसूरत पर्यटन स्थल देखने के लिए मेघालय मे चेरापूंजी और शिलॉन्ग मेघालय के मुख्य पर्यटन स्पॉट है। यहां से पर्यटक मेघालय घूमने के मुख्य आकर्षण खूबसूरत और प्राकृतिक पर्यटन स्थल जैसे कि सुंदर पर्वत मालाएं, रूट ब्रिज, गुफाएं, जंगल, झरने, क्रिस्टल क्लियर नदी, तालाब, घास के मैदान और यहां की खांसी जनजाति (कम्युनिटी) के गांव रहन सहन और त्यौहार यहां के बादलों और बारिश मुख्य है।

मानसून का लेना है भरपूर मजा
तो इन जगहों की करें सैर

भारत में मानसून ने दस्तक दे दी है। रिमझिम बारिश न सिर्फ मनुष्यों और जानवरों को गर्मी से राहत दिलाती है, बल्कि पेड़-पौधे भी जी उठते हैं। ऐसा शायद ही कोई शख्स हो जिसे मानसून का समय न पसंद हो। जुलाई के महीने से पहले ही लोग मानसून के दौरान भारत में घूमने की जगहों की तलाश शुरू कर देते हैं।

गंगटोक

सिक्किम की राजधानी गंगटोक में जुलाई में खूब बारिश होती है, जिससे पूरा क्षेत्र हरा-भरा और सुंदर दिखता है। आप जुलाई के महीने में यहां की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। गंगटोक घूमने के लिहाज से बेहद ही आकर्षक, प्राकृतिक और बादलों से घिरी हुई ऐसी जगह है, जो आने वाले हर पर्यटक को तरो ताजा कर सकती है।

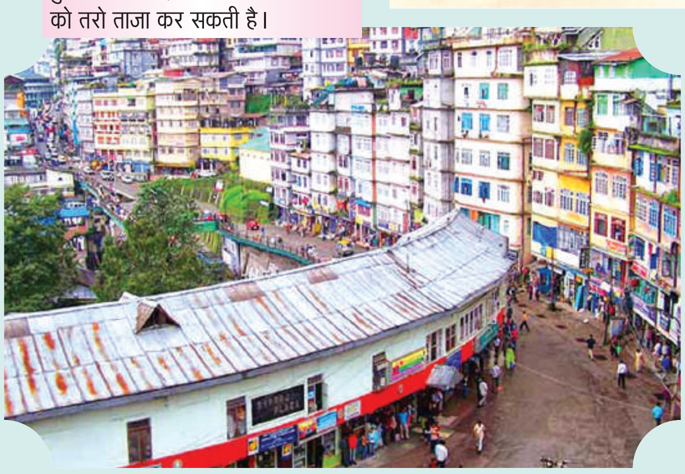

गोवा

गोवा में जुलाई के महीने में भारी बारिश होती है। हालांकि, इस दौरान समुद्र तट खतरनाक हो जाते हैं, इसलिए स्विमिंग करना मुमकिन नहीं होगा, लेकिन फिर भी आप बीच पर जा सकते हैं। अगर आप किसी शांत बीच की तलाश में हैं, तो नॉर्थ गोवा में अश्वेम बीच और साउथ में पालोलेम बीच आपके लिए अच्छे ऑप्शन साबित होंगे। यहां बाकी बीच के मुकाबले अधिक सुकून और शांति मिलती है।

लोनावाला

महाराष्ट्र में लोनावला जुलाई में पूरी तरह हरा-भरा और भव्य हो जाता है। यह मानसून में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है।

अलेप्पी

केरल के अलेप्पी में भी जुलाई के महीने में भारी बारिश होती है, जो इसे मानसून प्रेमियों के लिए एक बेस्ट डेस्टिनेशन बनाती है।

हंसना मना है

दो शेर जंगल में बैठे थे, पास से एक खरगोश गुजरा, आहट सुनकर एक शेर ने दूसरे से पूछा-क्या है? कुछ नहीं, फास्ट फूड है!

रमेश पैराशूट बेच रहा था, हवाई जहाज से कूदो, बटन दबाओ और जमीन पर सुरक्षित पहुंच जाओ ग्राहक- अगर पैराशूट नहीं खुला तो रमेश- तो पैसे वापिस?

पायलट विमान से उड़ान भरने के तुरंत बाद यात्रियों का स्वागत कर रहा था आज सुबह हमारे साथ उड़ान भरने के लिए धन्यवाद! मौसम साफ है... अचानक पायलट, चीखना शुरू कर देता है, जबकि वह अभी भी स्पीकर पर है: हे भगवान! जल गया, जल गया, जल गया, एक भयंकर डरावनी खौफनाक गहरी चुप्पी छा गई ! सभी डर से कांपने लगे। थोड़ी देर में वो पायलट फिर से यात्रियों से बात करने माइक्रोफोन पर वापस आ जाता है: मैं माफी चाहता हूं, मैंने अपनी गोद में बहुत गर्म कॉफी गिरा ली थी, आप मेरी पैंट देख सकते हैं। एक यात्री की आवाज -कमीने!! तू यहां आ कर हमारी पैंट देख!

गांव की एक लड़की से कंप्यूटर क्लास में पूछा गया- डाटा क्या होता है? लड़की बोली so simple.. तेल की शीशी के ढक्कण को डाटा कहते हैं?

कहानी — चूहा और सूरज

एक बार की बात है एक छोटा सा लड़का था जो बर्फ से ढकी पहाड़ी पर रहता था। एक दिन वह घूमते-घूमते नीचे मैदान में आ गया लेकिन मैदान में बहुत गर्मी थी। लड़के ने एक सुंदर सा फरो का गर्म कोट पहन रखा था। जिसकी वजह सेसूरज की गर्मी के कारण उसकी ठंड भाग गयी। उसने अपना गर्म कोट उतार कर फेंक दिया किन्तु कुछ ही देर में उसका शरीर पसीने से तरबतर हो गया। उसको सूरज पर बड़ा गुस्सा आया। उसने का सूरज का कोई उपयोग नहीं है, इसलिए लड़के ने सोचा कि इस सूरज का कुछ किया जाना चाहिए। उसने सूरज को दंड देने का फैसला किया। वह एक तांत्रिक के पास गया और उसे एक जाल बनाने को कहा। फिर अगली सुबह वह पहाड़ी की चोटी पर गया और जैसे ही सूरज ऊपर आया उसने उसे जाल में पकड़ लिया। जिसकी वजह से उस दिन सूर्य उदय नहीं हुआ और जानवर अपने भोजन के लिए नहीं जा सके, उन्होंने देखा कि सूरज जाल में फंसा है। तब परेशान जानवरों ने चूहे को मना बुझा कर जाल काटने भेजा और उस समय चूहा बहुत बड़ा होता था। चूहे ने जाल को अपनी तेज दांतों से काट दिया और सूरज को आजाद किया। यह देखकर सभी जानवर खुश हो गए लेकिन चूहा सूरज की गर्मी के कारण बहुत छोटा हो गया। यही कारण है कि चूहा अब भी बहुत छोटा दिखाई देता है।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे की दूसरों को तकलीफ हो और उनका जीवन संकट में आ जाए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बन जायेगा।

तुला

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिल सकती है। आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव रहेगा, जिससे काम में मन कम ही लग सकता है।

वृषभ

आज कुछ नजदीकी लोगों से कुछ मतभेद उभर सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और उत्साह एवं ऊर्जा अनुभव करेंगे। घर का वातावरण भी आज शांत और सामान्य रहेगा।

वृश्चिक

नौकरी में स्थिति सामान्य रहने के योग हैं। आपका आत्म विश्वास शिखर पर रहेगा। अपने उत्साह और आत्मबल से कठिन काम को भी पूरा कर सकेंगे।

मिथुन

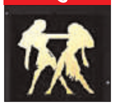

कार्यस्थल पर आपके पास अपनी योग्यता साबित करने के बेहतर अवसर होंगे, जो सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। वरिष्ठों का व्यवहार आपके प्रति नरम रहेगा।

धनु

आज शुभ परिणाम प्राप्ति संभव है। आप सकारात्मक सोच रखेंगे। आप लोगों को प्रभावित करने के लिए अपने संचार कौशल का उपयोग करेंगे।

कर्क

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार संबंधी यात्राओं का योग बन रहा है। इससे आपको धन संबंधित फायदा हो सकता है। किसी काम की गति धीमी हो सकती है।

मकर

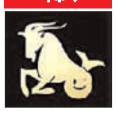

आज आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। करियर में आपको अपने गुरु का सहयोग प्राप्त हो सकता है। कामकाज की अधिकता सेहत पर असर डाल सकती है।

सिंह

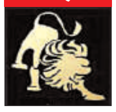

अगर आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपके साथ व्यापार में धोखाधड़ी हो सकती है। पत्नी की भावनाओं का सम्मान करें। सृजनात्मक कार्य पर धन लगा सकते हैं।

कुम्भ

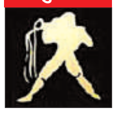

आज असफलता का डर बना रहेगा। सिर्फ व्यावहारिक योजनाएं ही न बनाएं। आपके ऊपर किसी प्रकार के आरोप भी आप पर लग सकते है। आज का दिन शुभ है।

कन्या

व्यावसायिक सन्दर्भ में नवीन रणनीतियों को मूर्त रूप देने के लिए उत्कृष्ट समय है। प्राधिकरण और रैंक के व्यक्ति आपको विशेष सहयोग और अवसर प्रदान कर सकते हैं।

मीन

आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा। आपके पास नए अधिग्रहण होंगे जो आपकी सामाजिक स्थिति में सुधार करेंगे।

आदिपुरुष को लेकर मनोज मुंतसिर ने मांगी माफी, बोले-

मैं हाथ जोड़कर बिना शर्त माफी मांगता हूं

प्रभास और कृति सेनन की फिल्म आदिपुरुष पर्दे पर फ्लॉप हुई है। यह साल की सबसे महंगी फिल्मों में से एक है

बॉलीवुड मसाला

प्रभास की फिल्म आदिपुरुष रिलीज से पहले और बाद में विवादों में रही है। फिल्म के डायलॉग्स को दर्शकों ने नपसंद किया था। सोशल मीडिया से लेकर लिविंग रूम तक फिल्म के डायलॉग्स की जमकर आलोचना हुई। फिल्म के डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर ने लिखे थे। फिल्म रिलीज के बाद से उन्हें काफी ट्रोल किया गया। अब मनोज मुंतशिर ने हाथ जोड़कर माफी मांगी है। मैं स्वीकार करता हूँ कि फ़िल्म आदिपुरुष से जन भावनायें आहत हुई हैं। अपने सभी भाइयों-बहनों, बड़ों, पूज्य साधु-संतों और श्री राम के भक्तों से, मैं हाथ जोड़ कर, बिना शर्त क्षमा माँगता हूँ। भगवान बजरंग बली हम सब पर कृपा करें, हमें एक और अटूट रहकर अपने पवित्र सनातन और महान देश की... मनोज मुंतशिर ने ट्वीट कर अपने फैंस और देश के सभी लोगों से माफी मांगी है। उन्होंने ट्वीट में लिखा- मैं स्वीकार करता हूँ कि फिल्म आदिपुरुष से जन भावनायें आहत हुई हैं। अपने सभी भाइयों-बहनों, बड़ों, पूज्य साधु-संतों और श्री राम के भक्तों से, मैं हाथ जोड़ कर, बिना शर्त क्षमा माँगता हूँ। भगवान बजरंग बली हम सब पर कृपा करें, हमें एक और अटूट रहकर अपने पवित्र सनातन और महान देश की सेवा करने की शक्ति दें फिल्म के डायलॉग की आलोचना के बाद फिल्म मेकर्स ने फिल्म के डायलॉग में बदलाव किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर फिल्म के डायलॉग्स बदलने की जानकारी दी थी। फिल्म मेकर्स नहीं चाहते थे कि डायलॉग से लोगों की भावनाएं आहत हो। प्रभास और कृति सेनन की फिल्म आदिपुरुष पर्दे पर फ्लॉप हुई है। यह साल की सबसे महंगी फिल्मों में से एक है। फिल्म 500 करोड़ की लागत के साथ बनी है। फिल्म का टीजर जारी होने के बाद से ही फिल्म विवादों में आ गई थी।

बॉलीवुड | मन की बात

आडियन्स केवल क्लीन सिनेमा देखने में रखती है दिलचस्पी : अमीषा पटेल

अमीषा पटेल आजकल कॉन्ट्रोवर्शियल स्टेटमेंट्स के लिए सुर्खियों में आई हुई हैं। इसी के साथ एक्ट्रेस की फिल्म गदर 2 थिएटर्स में 11 अगस्त को रिलीज होने वाली है। अमीषा, मीडिया इंट्रेक्शन्स में काफी व्यस्त चल रही हैं। फिल्म में अमीषा, सनी देओल के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। दर्शक बेसब्री से इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अमीषा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखाए जाने वाले कंटेंट को लेकर बात की। अमीषा ने शॉकिंग स्टेटमेंट में कहा कि कुछ LGBTQ फिल्में ऐसी हैं जो ओटीटी पर मौजूद हैं और इन्हें फैमिली के साथ बैठकर नहीं देखा जा सकता है। अमीषा ने कहा- ऑडियन्स केवल क्लीन सिनेमा देखने में दिलचस्पी रखती है, जिन्हें वह परिवार के साथ बैठकर भी एन्जॉय कर सकें। ओटीटी पर आजकल काफी अलग तरह का कंटेंट दिखाया जा रहा है। कुछ ऐज ग्रुप के लोगों के लिए यह सही नहीं है। लोग चाहते हैं कि वह एकदम साफ-सुथरा सिनेमा देखें। कुछ ऐसा देखें जो वह अपने पोते-पोती, नाती-नातिन संग भी बैठकर देख सकें। लेकिन कुछ भी ऐसा कंटेंट नहीं दिख रहा है, जहां वह अपने बच्चों और ग्रैंडपेरेंट्स के साथ बैठकर देख पाएं। होमोसेक्सुअल फिल्में और वेब सीरीज की बात करें तो ओटीटी पर यह भी काफी दिखाया जा रहा है। ओटीटी अब पूरी तरह से होमोसेक्सुअल, गे, लेस्बियन सीन्स दिखा रहा है, जहां आपको अपने बच्चे की आंखों पर हाथ रखना पड़ता है। या फिर उसे आंखें बंद करने के लिए कहना पड़ता है। इसके साथ ही कई बार आपको टीवी पर चाइल्ड लॉक भी लगाना पड़ता है, जिससे वह कभी भी कुछ भी खोलकर न देख सकें। ओटीटी प्लेटफॉर्म को ऐक्सेस न कर सकें। बता दें कि गदर 2 में अमीषा सकीना का रोल प्ले करती नजर आने वाली हैं। इसके अलावा सनी देओल, तारा सिंह की भूमिका निभाते दिखेंगे।

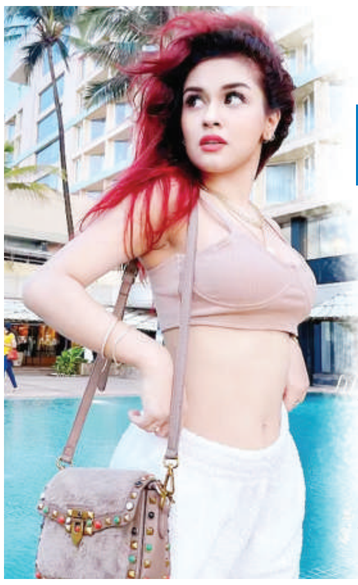

लीड रोल निभाते ही अवनीत कौर पर चढ़ा बोल्डनेस का रंग

बॉलीवुड तड़का

अवनीत कौर इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने कंगना रनौत के प्रोडक्शन की फिल्म टीकू वेड्स शेरू से लीड एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड में कदम रखा है। अपनी एस फिल्म के अलावा एक्ट्रेस अपने लुक्स की वजह से भी लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अब एक बार फिर से एक्ट्रेस का बेहद हॉट अवतार दिखा है।

अवनीत अपने चाहने वालों के साथ इंस्टाग्राम के जरिए भी जुड़ी रहने की काफी कोशिश करती हैं। ऐसे में उनके कई अलग-अलग अंदाज देखने को मिलते रहते हैं।

अब लेटेस्ट फोटोशूट में अवनीत इतनी ग्लैमरस दिख रही हैं कि फैंस के लिए उन पर नजरें हटाना भी मुश्किल हो गया है। इस दौरान एक्ट्रेस का बिकिनी लुक देखने को मिल रहा है।

अवनीत ने अपने इस लुक को नो-मेकअप टच दिया है। उन्होंने यहां बालों का मैसी बनाया है और सनग्लासेस कैरी किए हैं। इस दौरान एक्ट्रेस अपने टेस्टी ब्रेकफास्ट का लुत्फ उठाती नजर आ रही हैं। यहां अवनीत को स्वीमिंग पूल के साइड में बैठकर पोज देते हुए देखा जा रहा है।

21 की उम्र में ही हॉट हैं अवनीत कौर

चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अवनीत की इन अदाओं को देखकर अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता कि अभी वह सिर्फ 21 साल की हैं। इतनी सी उम्र में एक्ट्रेस ने एक ऊंचा मुकाम भी हासिल कर लिया है। आज उनकी एक झलक के लिए फैंस बेताब रहते हैं। अवनीत के स्टाइल पर तो दुनियाभर के लोग फिदा रहते हैं।

बादलों के बीच कैसे बनती है आकाशीय बिजली, क्यों गरजता है बादल?

बारिश के मौसम में अक्सर आसमानी बिजली गिरने के मामले सामने आते हैं। बादलों की तेज गड़गड़ाहट की आवाज सुनकर हर कोई डर जाता है। हाल के दिनों में उत्तर भारत में बिजली गिरने से कई लोगों की मौत हो चुकी है। बादलों के बीच अक्सर गरज के साथ बिजली कड़कती देखी जाती है। हालांकि कभी-कभी यह बहुत खतरनाक हो जाती है और जमीन पर गिरने पर जानलेवा हो जाती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर बादलों के बीच यह बिजली बनती कैसे है? यह जहां पर गिरती है, वहा तबाही मचा देती है। बारिश के दौरान अक्सर बादलों के बीच गड़गड़ाहट के साथ बिजली चमकती है। इसके गिरने से कभी इंसान घायल हो जाता है, तो कभी इसकी चपेट में आने से मौत हो जाती है। बारिश के मौसम में बिजली गिरने की घटना ज्यादा घटती है। आइए जानते हैं कि आसमान में बादलों के बीच क्यों गड़गड़ाहट होती है और बिजली कैसे बनती है? साल 1872 में वैज्ञानिक बेंजामिन फ्रेंकलिन ने पहली बार बादलों के बीच बिजली चमकने की सही वजह बताई थी। उन्होंने बताया कि बादलों में पानी के छोट-छोटे कण होते हैं, जो वायु की रगड़ की वजह से आवेशित हो जाते हैं। कुछ बादलों पर पॉजिटिव चार्ज हो जाता है, तो कुछ पर निगेटिव चार्ज। आसमान में जब दोनों तरह के चार्ज वाले बादल एक दूसरे से टकराते हैं तो लाखों वोल्ट की बिजली उत्पन्न होती है। कभी-कभी इस तरह उत्पन्न होने वाली बिजली इतनी अधिक होती है कि धरती तक पहुंच जाती है। इस घटना को बिजली गिरना कहा जाता है। जब आसमान में इस तरह बिजली पैदा होती है, तो बादलों के बीच जो जगह रहती है, वहां पर बिजली की धारा बहने लगती है। इससे बड़े पैमाने पर चमक उत्पन्न होती है जिसकी वजह से आसमान में बादलों की बीच चमक नजर आती है। बिजली की धारा बहने की वजह से बहुत अधिक मात्रा में गर्मी पैदा होती है जिससे वायु फैलती है और इससे करोड़ों कणों की आपस में टक्कर होती है। इससे बादलों के बीच गड़गड़ाहट पैदा होती है जिसकी आवाज धरती पर सुनाई देती है।

अजब-गजब | यह है एशिया का सबसे ज्यादा पढ़ा-लिखा गांव

यहां 80 फीसदी घरों से हैं अधिकारी

हमारा देश अपनी संस्कृति, खान-पान, कला और फिल्मों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें, साक्षरता के मामले में भी भारत किसी से पीछे नहीं है। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के जवां ब्लॉक में बसा धोर्रा माफी गांव पूरे एशिया में मशहूर है। दरअसल, यह गांव भारत ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया का सबसे पढ़ा-लिखा गांव है।

स्थानीय निवासी तैयाब खान बताते हैं कि साल 2002 में धोर्रा माफी नाम के इस गांव का नाम 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में शामिल किया गया था। यहां का साक्षरता दर 75 फीसदी से ज्यादा रिकॉर्ड हुआ था। इस गांव का नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड के लिए होने वाले सर्वे के लिए भी चुना गया था। धोर्रा माफी गांव में पक्के मकान, 24 घंटे बिजली-पानी और कई इंग्लिश मीडियम स्कूल व कॉलेज हैं। यहां के लोग खेती के बजाय नौकरी पर निर्भर हैं।

माफी गांव में करीब 10-11 हजार लोगों की आबादी है। गांव में करीब 90 फीसदी से ज्यादा लोग साक्षर हैं। इस गांव के करीब 80 फीसदी लोग देशभर में कई बड़े पदों पर तैनात हैं। गांव के कई लोग डॉक्टर,

इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्रोफेसर और आईएएस अफसर बन चुके हैं। धोर्रा माफी गांव अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से सटा हुआ है। इसलिए वहां के प्रोफेसर और डॉक्टर्स ने गांव में अपना घर बनाया। धोर्रा माफी गांव के लोग काफी आत्मनिर्भर और शिक्षित हैं।

साक्षरता के मामले में यहां की महिलाएं भी पुरुषों के समान ही हैं। इस गांव के डॉ. सिराज आईएएस अधिकारी हैं। इसके अलावा गांव के फैज मुस्तफा एक यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर रह चुके हैं। इसका बड़ा तबका विदेशों में भी रह रहा है।

फोटो: सुमित कुमार

आस्था की लाइन सावन के प्रथम सोमवार पर आज मंदिरों में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ , डालीगंज मनकामेश्वर मंदिर में सुबह से ही दर्शन और पूजन करने आए लोगों का तांता लगा रहा।

शिवसेना के नाम और चुनाव चिन्ह की जंग सुप्रीम दरबार में

याचिका पर सुप्रीम कोर्ट से उद्धव गुट को मिली तारीख

» 31 जुलाई को इस मामले पर होगी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

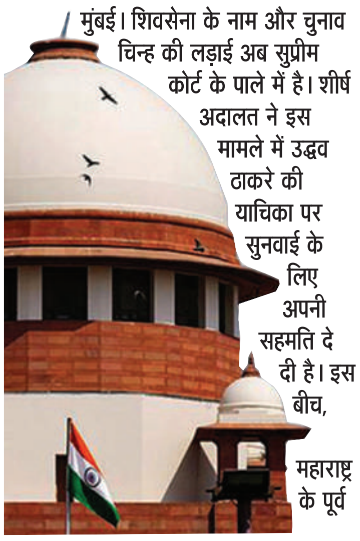

मुंबई। शिवसेना के नाम और चुनाव चिन्ह की लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट के पाले में है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में उद्धव ठाकरे की याचिका पर सुनवाई के लिए अपनी सहमति दे दी है। इस बीच, महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा है।

राज्य के विदर्भ क्षेत्र के दौरे के दौरान ठाकरे ने कहा कि चुनाव आयोग के पास पार्टी का नाम बदलने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इसे किसी को चुराने नहीं देंगे। सीजेआई ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट 31 जुलाई को इस मामले पर सुनवाई करेगा। बता दें कि उद्धव की याचिका में चुनाव आयोग का फैसला रद्द करने की मांग की गई है।

लोकतंत्र बचाने को जरूरी है विपक्षी एकता

इस दौरान, अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से मुकाबला करने के लिए कुछ विपक्षी दलों के एक साथ आने की कोशिश करने के सवाल पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैं इसे विपक्षी दलों की एकता नहीं कहूंगा, बल्कि हम सभी की एकता कहेंगे। हम देशभक्त हैं और लोकतंत्र की खातिर ऐसा कर रहे हैं। गौरतलब है कि 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद, उद्धव ठाकरे ने एनसीपी और कांग्रेस की मदद से महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी से नाता तोड़ लिया था। बाद में, बीते साल जून में एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार गिर गई थी। फिर एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। इसके बाद से ही दोनों गुट शिवसेना के नाम और सिंबल पर अपना-अपना दावा कर रहे थे। ये मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। ठाकरे गुट ने खुद के असली शिवसेना होने का दावा किया है। हालांकि, शिंदे गुट ने कहा था कि उन्हें शिवसेना के ज्यादातर विधायकों का समर्थन प्राप्त है और वे ही असली शिवसेना हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने शिंदे गुट को असली शिवसेना करार दिया है।

शिवसेना का नाम कोई नहीं चुरा सकता : उद्धव

याचिका पर सुनवाई के लिए शीर्ष कोर्ट की सहमति के बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। उन्होंने सोमवार को कहा कि चुनाव आयोग (ईसी) किसी पार्टी को चुनाव चिन्ह आवंटित कर सकता है, लेकिन उसके पास किसी पार्टी का नाम बदलने की शक्ति नहीं है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि शिवसेना नाम उनके दादा (केशव ठाकरे) ने दिया था और वह किसी को इसे चुराने नहीं देंगे।

सत्येंद्र जैन को सुप्रीम राहत, जमानत दो हफ्ते के लिए बढ़ाई गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत दो हफ्ते के लिए बढ़ा दी है। इससे पहले कोर्ट ने आप नेता सत्येंद्र जैन को मेडिकल आधार पर शर्तों के साथ जमानत दी थी।

सत्येंद जैन को 10 जुलाई को कोर्ट में स्वास्थ्य रिपोर्ट कोर्ट में जमा करने के लिए कहा गया था। जानकारी के मुताबिक,

सुप्रीम कोर्ट ने आप नेता सत्येंद्र जैन को चिकित्सकीय आधार पर शर्तों के साथ 6 हफ्ते की अंतरिम जमानत दी थी। वह बिना अनुमति के दिल्ली से बाहर नहीं जा सकते और मीडिया के सामने कोई बयान नहीं दे सकते। सत्येंद्र जैन पिछले एक साल से जेल में हैं। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल 30 मई को गिरफ्तार किया था।

सत्येंद्र जैन सीजे-7 के अस्पताल के एमआई रूम के बाथरूम में फिसल कर गिर गए थे। उन्हें सामान्य कमजोरी के कारण निगरानी में रखा गया था। इसके बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की। जब उनकी तबीयत और भी बिगड़ गई तो उन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल से एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया।

मनीष सिसोदिया की जमानत पर अदालत ने अर्जी की स्वीकार

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। सिसोदिया की जमानत याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई होगी। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के सामने यह मामला रखा, जिस पर कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। इससे पहले मनीष सिसोदिया को दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में जमानत देने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद सिसोदिया ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। वहीं दूसरी तरफ राउज एवेन्यू कोर्ट में गुरुवार को मनीष सिसोदिया की पेशी हुई। जहां कोर्ट ने मनीष की हिरासत को 31 जुलाई तक के लिए बढ़ा दिया है। इस दौरान कोर्ट ने सिसोदिया को बड़ी राहत दी। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मनीष सिसौदिया को पेश करने की मांग करते हुए एक आवेदन दायर की थी।

फोटो :4 पीएम

धरना स्थानांतरण के बाद महिला शिक्षक (69000) द्वारा ट्रांसफर के बाद कार्यमुक्ति पर लगी रोक को लेकर बेसिक शिक्षा निदेशालय पर धरना दिया गया।

बंगाल के राज्यपाल बोस दिल्ली पहुंचे आज करेंगे गृहमंत्री शाह से मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस नई दिल्ली में हैं। आज वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से आज शाम नॉर्थ ब्लॉक में मुलाकात करेंगे। इस दौरान बंगाल में हाल ही में हुई हिंसा पर भी बातचीत होने की उम्मीद है।

गौरतलब है, पश्चिम बंगाल में शनिवार को पंचायत चुनाव हुए थे। इस दौरान पूरे सूबे में जमकर हिंसा हुई। खूब तोड़फोड़, पथराव और आगजनी हुई। राजनीतिक लड़ाई के चलते छह जिलों में 16 लोगों की हत्या कर दी गई थी। 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कहीं पोस्टल बॉक्स ही लूट लिया गया तो कहीं खूब बम चले। कूचबिहार में पोलिंग बूथ में तोड़फोड़ के बाद उपद्रवियों ने बैलेट पेपर्स में ही आग लगा दी थी। शनिवार आठ जुलाई को पश्चिम बंगाल की 73,887 ग्राम पंचायत सीटों में से 64,874 पर मतदान हुआ।

कप्तान हरमनप्रीत का कमाल, बांग्लादेश बेहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नये अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरुआत अर्धशतक (नाबाद 54 रन) जड़कर की जिससे भारतीय महिला टीम ने रविवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश पर सात विकेट की आसान जीत दर्ज कर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली।

भारतीय स्पिनरों ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट पर 114 रन ही बनाने दिये। इसके बाद हरमनप्रीत (35 गेंद, छह चौके, दो छक्के) और उप कप्तान स्मृति मंधाना (34 गेंद में 38 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़कर लक्ष्य 16.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। हरमनप्रीत ने दो जीवनदान का पूरा फायदा उठाया जो उन्हें बायें हाथ की स्पिनर नाहिदा अख्तर की गेंदबाजी में मिले। मंधाना ने भी अपनी पारी के दौरान पांच चौके लगाये।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद उसके गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से बल्लेबाजों को यह आसान लक्ष्य हासिल करने में जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा हालांकि अपने खराब फुटवर्क के कारण पगबाधा आउट हुई। जेमिमा रोड्रिग्स (11 रन) सुल्ताना खातून की ऑफ ब्रेक गेंद पर बोल्ड हुईं। जिसके बाद हरमनप्रीत और मंधाना ने टीम को आसान जीत की ओर अग्रसर किया। मंधाना के आउट होने के बाद यास्तिका भाटिया क्रीज पर उतरीं जिन्होंने नाबाद 09 रन बनाये। इससे पहले अनुभवी दीप्ति शर्मा (चार ओवर में 14 रन) की अगुआई वाले स्पिन आक्रमण ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की योजना को बहुत अच्छी तरह मैदान पर उतारा।

भाजपा की आईटी सेल को मात दे रहा है कांग्रेस का आईटी सेल

पिछले कुछ महीनों में सोशल मीडया पर छाई कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजकल का दौर इंटरनेट और सोशल मीडिया का दौर है। लोग अपनी बात को रखने के लिए सोशल मीडिया का अधिक इस्तेमाल करते हैं। वहीं देश-दुनिया की अधिकतर खबरें भी सोशल मीडिया पर आपको जल्दी मिल जाएंगी। लेकिन सोशल मीडिया ने अगर कई मायनों में हमारी जिंदगी को सरल बनाया है, तो इसका काफी नुकसान भी है। क्योंकि सोशल मीडिया पर कई गलत व फेक खबरें भी काफी चलाई जाती हैं। इसलिए सोशल मीडिया कई मायनों में काफी खतरनाक भी है।

सोशल मीडिया के बढ़ते चलन के चलते अब राजनीति में भी सोशल मीडिया का काफी बड़े स्तर पर इस्तेमाल किया जाता है। फिर वो चाहे इलेक्शन कैंपेन हों या फिर अपनी सरकार की योजनाओं का प्रचार व पार्टी का प्रमोशन.. सोशल मीडिया का इस्तेमाल इन सभी कामों के लिए काफी बड़े स्तर पर किया जाता है.. क्योंकि इसकी प्रमुख वजह है कि आजकल फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम व यूट्यूब पर यूथ से लेकर बुजुर्ग तक हर वर्ग के लोग अपना अधिक समय दे रहे हैं। इसलिए राजनीतिक पार्टियां भी सोशल मीडिया का इस्तेमाल बड़े स्तर पर करने लगी हैं।

मोदी को आगे करने बड़ा योगदान

ध्यान रहे कि पीएम मोदी और भाजपा को इतना मशहूर बनाने में भी सोशल मीडिया का ही बड़ा हाथ है.. क्योंकि भाजपा ने सबसे अधिक ध्यान अपने आईटी सेल पर दिया, और उसी का फायदा भाजपा को 2014 और 19 के लोकसभा चुनावों में जमकर मिला, क्योंकि अपने आईटी सेल के जरिए ही भाजपा ने अपना प्रचार तो किया ही।

कांग्रेस का आईटी सेल तेजी से जमा रहा पांव

पिछले एक साल में कांग्रेस के आईटी सेल ने बिना झूठ का सहारा लिए ही अपनी एक अलग पहचान बना ली है, आलम ये हो गया कि कभी हमेशा सुर्खियों में रहने वाला और लोगों को बदनाम करने वाला भाजपा का आईटी सेल भी अब कांग्रेस के आईटी सेल व सोशल मीडिया के आगे फीका नजर आता है, क्योंकि अब कांग्रेस के आईटी सेल ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। और हर मामले पर भाजपा और उसके आईटी सेल को कड़ा जवाब दिया जा रहा है, कांग्रेस के आईटी सेल में ये बदलाव आया है पिछले एक साल से, दरअसल, पिछले साल जून में कांग्रेस ने अपनी नई आईटी सेल की टीम बनाई थी, और इस नई टीम को सोशल मीडिया की कमान सौंपी।

सुप्रिया श्रीनेत ने दी ऊंचाई

कांग्रेस ने अपनी इस सोशल मीडिया टीम का चेयरपर्सन बनाया सुप्रिया श्रीनेत को, सुप्रिया श्रीनेत सोशल मीडिया की चेयरपर्सन व हेड होने के साथ-साथ कांग्रेस की प्रवक्ता भी हैं,श्रीनेत के बारे में ये भी बता दें कि वो इससे पहले टाइम्स ग्रुप की एक्ज्यूजीक्यूटिव एडिटर भी रह चुकी हैं, और यही वजह है कि सुप्रिया श्रीनेत को सोशल मीडिया की काफी बारीक समझ भी है,और उसी का फायदा और अपने अनुभव का इस्तेमाल सुप्रिया अब कांग्रेस के लिए करती नजर आ रही हैं, ये सुप्रिया की ही देन है कि कभी थकाऊ और कुछ खास न लगने वाला कांग्रेस का सोशल मीडिया अब एक दम से नई चमक और नए जोश के साथ उभर कर सामने आया है। अब आलम ये हो गया है कि सोशल मीडिया पर कांग्रेस नैरेटिव सेट करती है और भाजपा व अमित मालवीय का आईटी सेल उसका पीछा करते है। यानी कभी हमेशा चर्चा में रहने वाले भाजपा के आईटी सेल व सोशल मीडिया की हालत आजकल खस्ता हाल हो गई है.।

विपक्षी दलों का दुष्प्रचार करने में भी आगे अमित मालवीय

लेकिन उससे ज्यादा विपक्षी दलों का दुष्प्रचार किया विपक्षी नेताओं के गलत व झूठे वीडियोज चलाकर उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया गया, यही नहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छवि को खराब करने और उन्हें पप्पू बनाने में भी भाजपा के आईटी सेल ने ही प्रमुख भूमिका निभाई थी। और जबसे भाजपा के इस आईटी सेल की कमान अमित मालवीय ने संभाली है, तब से भाजपा आईटी सेल प्रचार तंत्र न बनकर झूठ तंत्र बन गया है, क्योंकि अमित मालवीय के आने के बाद भाजपा का आईटी सेल हर मामले में इतना अधिक झूठ बोलने व दिखाने लगा है कि वो सारे तथ्यों और आंकड़ों को भी ताक पर रख देते हैं, तो वहीं किसी भी नेता को बदनाम करने के लिए झूठे, गलत व एडिटेड वीडियो चलाकर उस नेता की छवि को खराब बनाना भाजपा के आईटी सेल और अमित मालवीय की फितरत बन गई है, यही वजह है कि अब भाजपा के आईटी सेल और अमित मालवीय की कोई इज्जत और विश्वसनीयता नहीं बची है, अब देश का बच्चा-बच्चा तक ये जान चुका है कि भाजपा का आईटी सेल सिर्फ झूठ फैलाता है और गलत खबरों व वीडियोज को चलाता है।

अन्य दलों के आईटी सेल पीछे

एक ओर जहां भाजपा अपने आईटी सेल का इस्तेमाल करके लोगों को झूठा बदनाम करता रहा और झूठी खबरों व गलत बातों को लोगों के सामने रखकर अपनी वाहवाही बटोरता रहा, तो दूसरी ओर कांग्रेस या किसी अन्य दल का आईटी सेल इस मामले में काफी पीछे रहा। जिसका फायदा ही भाजपा को चुनावों में भी मिलता रहा। लेकिन अब समय बदल चुका है, अब लोग अच्छी तरह से ये समझ चुके हैं कि भाजपा का आईटी सेल विपक्षी दलों या विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए झूठी व गलत बातों का इस्तेमाल करता है

4pm की रिसर्च टीम की जानकारी

अब वक्त बदल चुका है और गेम पूरी तरह से पलट चुका है, तभी तो जबसे सुप्रिया श्रीनेत को सोशल मीडिया की कमान सौंपी गई है कांग्रेस ने हर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भाजपा से इक्कीस प्रदर्शन किया है, फिर वो चाहे ट्विटर हो, फेसबुक हो, इंस्टाग्राम हो या फिर यूट्यूब हो.. हर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कांग्रेस की परफॉर्मेंस में अभूतपूर्व सुधार व परिवर्तन आया है.. और भाजपा कांग्रेस के नरेटिव और उसके कांसेप्ट का पीछा करती ही नजर आई है। वैसे ये बात हम कोई हवा में नहीं कह रहे हैं.. बल्कि कांग्रेस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के आंकड़े भी इस बात की गवाही दे रहे हैं कि कांग्रेस के सोशल मीडिया की हालत में गजब का सुधार आया है। हमारी 4 पीएम की टीम ने जब कांग्रेस के सोशल मीडिया के आंकड़ों के बारे में रिसर्च की, तो जो आंकड़े सामने निकल कर आए वो वाकई में हैरान करने वाले थे, और आंकड़े ये दिखाते हैं कि सुप्रिया श्रीनेत ने पिछले एक साल में कितनी ज्यादा मेहनत की है और भाजपा के सामने एक मजबूत चुनौती पेश की है। जुलाई 2022 के आंकड़े हैं और दूसरी तरफ मई 2023 के, और इस एक साल में कांग्रेस के हर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के परफॉर्मेंस में आए उछाल को आप भी देखिए, जुलाई 2022 में फेसबुक पर कांग्रेस की रीच 13.78 मिलियन थी, जो मई 2023 में लगभग साढ़े 15 फीसदी की बढ़ोत्तरी के साथ 15.91 मिलियन हो गई,फेसबुक पर ये रीच बढ़ी है, वो भी सिर्फ एक साल में, और ये तो कुछ नहीं आगे के आंकड़े देखकर आप और भी हैरान होंगे,

बढ़ी ट्विटर, इंस्टाग्राम व फेसबुक पर कांग्रेस की रीच

अब अगर यूट्यूब की बात करें तो जुलाई 2022 में यूट्यूब पर 21.56 मिलियन व्यूज थे कांग्रेस के,जो मई 2023 में बढ़कर 51.71 मिलियन हो गए। यानी एक साल में यूट्यूब के व्यूज में 139.80 फीसदी की बंपर बढ़ोत्तरी हुई है। जो वाकई में काफी ज्यादा है। लेकिन सिर्फ यूट्यूब और फेसबुक ही नहीं बल्कि इंस्टाग्राम और ट्विटर पर भी कांग्रेस की परफॉर्मेंस में गजब का सुधार व बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। जिसमें इंस्टाग्राम के आंकड़े तो काफी ज्यादा चौंकाने वाले हैं, ये देखिए जुलाई 2022 में इंस्टाग्राम पर कांग्रेस की रीच बेहद खराब थी। जुलाई 2022 तक सिर्फ 1.45 मिलियन की रीच इंस्टाग्राम पर थी। लेकिन जबसे सुप्रिया श्रीनेत ने कांग्रेस सोशल मीडिया की कमान संभाली, तबसे इंस्टाग्राम की रीच में 100, 200 या 500 फीसदी नहीं बल्कि एक हजार फीसदी से भी अधिक की बढ़ोत्तरी देखने को मिली है.. आप खुद देखिए कि जुलाई 2022 में जो रीच 1.45 मीलियन थी.. मई 2023 में वो बढ़कर 20.20 मिलियन पर पहुंच गई.. यानि एक साल में थोड़ी बहुत नहीं बल्कि 1290.40 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है.. जी हां, चौंकिए नहीं.. एक साल के अंदर इंस्टाग्राम पर कांग्रेस की रीच में 1290.40 प्रतिशत की भारी बढ़ोत्तरी दर्ज हुई है.. ये सोशल मीडिया की हेड सुप्रिया श्रीनेत की ही मेहनत का फल है।

'सीबीआई को नहीं सौंपेंगे जैन मुनि हत्या का मामला'

» कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर बोले - हमारी पुलिस विभाग जांच में सक्षम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में जैन मुनि आचार्य श्री कामकुमारा नंदी महाराज की हत्या के बाद राज्य में सनसनी फैल गई। भाजपा ने हत्या के लिए सीबीआई जांच की मांग की है। केवल राज्य में ही नहीं पूरे देश में अब जैन मुनि की हत्या की निंदा हो रही है, जिसपर राज्य के गृहमंत्री ने जी परमेश्वर ने बताया कि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, कानूनी कार्रवाई एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसमें भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं है।

इस घटना के बाद शिकायत मिलते ही पुलिस जांच में जुट गई थी। हुबली में जैन मुनि अनशन पर बैठे हैं। मैंने उनसे कल बात भी की थी। सीबीआई जांच की मांग पर जी परमेश्वर ने आश्वासन भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारा पुलिस विभाग सक्षम है, सीबीआई को यह मामाला सौंपने की जरूरत नहीं है। हमारे विभाग की जांच पूरी होने के बाद सच सामने आ जाएगा। फिलहाल किसी पर आरोप लगाना ठीक नहीं है। इस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में पुलिस बिना किसी दबाव के निष्पक्षता से काम कर रही है। ज्ञात हो कि कामकुमारा नंदी महाराज 15 साल से नंदी पर्वत जैन मठ में रहते थे। उनके प्रबंधक बसाड़ी भीमप्पा उगारे ने छह जुलाई को उनके लापता होने की जानकारी पुलिस को दी थी।

भाजपा की मांग के पीछे राजनीति : प्रियांक खरगे

`इस मामले में राज्य के मंत्री मयंक खरगे ने बताया कि जैन समुदाय राज्य सरकार द्वारा की जा रही जांच से संतुष्ट है। उन्होंने कहा, उन्होंने इस मामले की जांच को किसी अन्य एजेंसी द्वारा जांच कराने की मांग नहीं की है। गृह मंत्रालय पूरी तरह से सक्षम है, किसी को भी नहीं छोड़ा जाएगा। भाजपा को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा, जहां तक भाजपा का सवाल है, वह जिसकी चाहे उसकी मांग कर सकते हैं। जांच की रिपोर्ट सामने आने तक का इंतजार है। समुदाय सरकार के साथ है। वे जानते हैं कि इस मामले में सरकार का कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं है और यह एक सामुदायिक मुद्दा होने के बजाय व्यक्तिगत झगड़ा लगता है, जिसे उठाने में भाजपा पीछे नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।